कच्चे तेल की कीमतों में 10% तक उछाल

रास तनूरा पर ड्रोन हमला, कच्चा तेल 79 डॉलर पार- भारत में पेट्रोल 100 की ओर

नई दिल्ली, 2 मार्च. अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने वैश्विक बाजारों में चिंता बढ़ा दिया है. ड्रोन हमलों और तेल आपूर्ति पर खतरे के बीच कच्चे तेल की कीमतों में 10 प्रतिशत तक उछाल आ गया है.

ब्रेंट क्रूड 79 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया, जबकि आशंका जताई जा रही है कि हालात बिगड़े तो यह 120 डॉलर तक जा सकता है. इसका सीधा असर भारतीय बाजार पर दिखा—सेंसेक्स 1500 अंकों से ज्यादा टूटकर 80 हजार के नीचे फिसल गया और निफ्टी भी करीब 450 अंक गिरा. निवेशकों ने जोखिम भरे शेयरों से पैसा निकालकर सोना-चांदी जैसे सुरक्षित निवेश विकल्पों का रुख किया, जिससे 24 कैरेट सोना रू.7,000 महंगा होकर 1.66 लाख प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया. जानकारों का मानना है कि अगर जंग लंबी चली तो महंगाई बढ़ेगी, कंपनियों का मुनाफा घटेगा और आम आदमी पर पेट्रोल-डीजल के दामों का सीधा असर पड़ेगा. मध्य-पूर्व में बढ़ते युद्ध जैसे हालात ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को झकझोर दिया है.

रास तनूरा रिफाइनरी पर ड्रोन हमले के बाद कच्चे तेल की सप्लाई को लेकर चिंता गहरा गई है. अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड 10प्रतिशत चढ़कर 79 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया. विशेषज्ञों का मानना है कि यदि तनाव और बढ़ा तो तेल 120 डॉलर तक जा सकता है, जिससे भारत जैसे आयात-निर्भर देशों पर भारी दबाव पड़ेगा.

> इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 24 कैरेट सोना 7,000 महंगा होकर 1.66 लाख प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, जबकि चांदी 20,000 चढ़कर 2.87 लाख प्रति किलो हो गई. जानकारों के अनुसार, यदि हालात लंबे समय तक अस्थिर रहे तो भारत में पेट्रोल रू.100 प्रति लीटर और डीजल रू.92 प्रति लीटर तक जा सकता है. इससे महंगाई बढ़ने और आम उपभोक्ता पर अतिरिक्त बोझ पड़ने की आशंका है. वैश्विक अनिश्चितता के बीच निवेशकों की नजर अब युद्ध की दिशा और तेल आपूर्ति पर टिकी है, क्योंकि आने वाले दिनों में बाजार की चाल इन्हीं घटनाक्रमों से तय होगी.

स्वदेशी पेय के रूप में रसना को बढ़ावा देगा कैट

नयी दिल्ली, 02 मार्च (वार्ता) अखिल भारतीय व्यापारी परिसंघ (कैट) ने स्वदेशी पेय के रूप में रसना को बढ़ावा देने के लिए उसके साथ करार किया है.कैट ने सोमवार को एक प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इस समझौते के तहत रसना प्राइवेट लिमिटेड, कैट और आई पॉइंट वेंचर्स पारस्परिक सहयोग के माध्यम से व्यापार विस्तार, डिजिटल समाधान, कौशल विकास, इनक्यूबेशन, एडवोकेसी और सपोर्ट जैसे विभिन्न क्षेत्रों में संयुक्त रूप से काम करेंगे. उसका कहना है कि यह समझौता भारतीय उत्पादों और ब्रांडों को देश और दुनिया में नयी पहचान दिलाने तथा स्वदेशी व्यापार को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है.

सोने चांदी की कीमतों में आई बढ़त

1.67 लाख पार हुआ सोना

10,460 रुपए उछली चांदी

नई दिल्ली, 2 मार्च. पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच निवेशकों ने एक बार फिर सुरक्षित ठिकानों का रुख किया है. इसका सीधा असर सोने और चांदी की कीमतों पर दिखा, जहां दोनों धातुओं में जोरदार उछाल दर्ज किया गया.

चांदी 10,460 रुपये की छलांग लगाकर 2.92 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई, जबकि सोना 5,260 रुपये चढ़कर 1.67 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया. घरेलू वायदा बाजार में भी तेजी कायम रही और एमसीएक्स पर सोना-चांदी दोनों में तीन प्रतिशत से अधिक की बढ़त दर्ज की गई. अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी अनिश्चितता और डॉलर की कमजोरी के चलते निवेशकों ने कीमती धातुओं में आक्रामक खरीदारी की. विशेषज्ञों का मानना है कि यदि वैश्विक तनाव और गहराता है तो सोना 2 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम और अंतरराष्ट्रीय बाजार में 6,000 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच सकता है. वैश्विक अनिश्चितता के माहौल में सोना और चांदी ने नई चमक हासिल की है.

> घरेलू वायदा बाजार (एमसीएक्स) पर गोल्ड अप्रैल वायदा में 3.12त्न की तेजी दर्ज की गई और भाव 1,67,155 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया. वहीं सिल्वर मार्च वायदा 3.04त्न बढ़कर 2,91,249 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया. सर्राफा बाजार में चांदी 10,460 रुपये महंगी होकर 2.92 लाख रुपये प्रति किलो पर पहुंची, जबकि सोना 5,260 रुपये चढ़कर 1.67 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया. अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तेजी का रुख कायम रहा. न्यूयॉर्क स्थित कॉम्प्लेक्स पर सोना 5,400 डॉलर प्रति औंस तक पहुंच गया और इंट्राडे में 2.5प्रतिशत से अधिक की बढ़त दर्ज की. चांदी भी 96.93 डॉलर प्रति औंस के स्तर तक उछली, जो करीब 2 प्रतिशत की तेजी को दर्शाता है.

एयरटेल का स्पैम मैसेज रोकने गूगल से करार

नई दिल्ली, 02 मार्च. निजी दूरसंचार कंपनी एयरटेल ने गूगल के आरसीएस प्लेटफार्म और स्पैम फिल्टर सुविधाओं के लिए उसके साथ एक करार किया है. कंपनी ने रविवार को कि एयरटेल के नेटवर्क इंटेलिजेंस और गूगल के रिच कम्युनिकेशन सर्विसेज प्लेटफॉर्म तथा स्पैम फिल्टरिंग के संयोजन से उपयोगकर्ता अच्छी गुणवत्ता वाली फोटो और वीडियो का अनुभव कर सकते हैं.

वे मैसेज रिएक्शन जैसे इंटरैक्टिव विकल्पों का भी लाभ उठा सकते हैं. साथ ही उन्नत सुरक्षा व्यवस्था के जरिये मोबाइल स्पैम और डिजिटल धोखाधड़ी काफी हद तक कम हो जायेगी.

कंपनी ने बताया कि डिजिटल इकोसिस्टम के भीतर एक महत्वपूर्ण सुरक्षा कमी अब भी मौजूद है. जहां पारंपरिक मोबाइल नेटवर्क जो मैसेजिंग सुविधा प्रदान करते हैं, वे सुरक्षा मानकों और दूरसंचार स्तर की सुरक्षा व्यवस्था के अंतर्गत संचालित होते हैं, वहीं कई अन्य गैर दूरसंचार प्लेटफॉर्म और स्वतंत्र ऐप्स में ये सुरक्षा उपाय नहीं होते. इन माध्यमों का शातिर और संगठित धोखेबाजों द्वारा बढ़ते स्तर पर दुरुपयोग किया जा रहा है और ये वित्तीय धोखाधड़ी तथा अवांछित स्पैम के साधन बन गये हैं. यह साझेदारी उसे कमी को दूर करती है.

गूगल के आरसीएस प्लेटफॉर्म के माध्यम से दूरसंचार समर्थित व्यावसायिक पहचान जांच का उपयोग करके मैसेज भेजने वाले की पहचान की पुष्टि संभव हो सकेगी. संदेशों को प्रचार और लेनदेन श्रेणियों में बांटकर, उसी के अनुसार प्रतिबंध लागू किया जायेगा और उपयोगकर्ताओं की डू नॉट डिस्टर्ब प्राथमिकताओं का सम्मान किया जायेगा.

औद्योगिक उत्पादन वृद्धि जनवरी में 4.8 प्रतिशत

नयी दिल्ली, 02 मार्च. औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के आधार पर जनवरी 2026 में देश की औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर 4.8 प्रतिशत रही. जनवरी के आंकड़े दर्शाते हैं कि घरेलू औद्योगिक क्षेत्रों में गत वर्ष अक्टूबर के बाद जो तेज उछाल आया था वह नये वर्ष में कुछ शांत हो गया है. सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय की ओर से त्वरित अनुमानों के आधार पर सोमवार को जारी जनवरी के औद्योगिकी उत्पादन सूचकांक के अनुसार, चालू वित्त वर्ष के पहले 10 महीने में अप्रैल-जनवरी 2025-26 के दौरान औद्योगिकी उत्पादन सालाना आधार पर कुल मिलाकर 4.4 प्रतिशत बढ़ा है. दिसम्बर 2025 में औद्योगिक वृद्धि आठ प्रतिशत और नवंबर में 6.7 प्रतिशत थी.

विनिर्माण सेक्टर में फिर लौटी रफ्तार

नए ऑर्डर और खरीद में मजबूत बढ़त

घरेलू बाजार ने दी विकास को गति

मुंबई, 02 मार्च. उत्पादन और घरेलू बाजार में बिक्री बढ़ने देश में विनिर्माण गतिविधियों में फरवरी में चार महीने की सबसे बड़ी तेजी देखी गयी.

एचएसबीसी द्वारा जारी भारत विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) जनवरी के 55.4 से बढ़कर फरवरी में चार महीने के उच्चतम स्तर 56.9 पर पहुंच गया. सूचकांक का 50 से नीचे रहना गतिविधियों में गिरावट को दर्शाता है जबकि इसका 50 से ऊपर रहना तेजी दिखाता है. वहीं, 50 का स्तर स्थिरता का है. नये ऑर्डर, उत्पादन, रोजगार और खरीदे गये भंडार आदि के आधार पर यह रिपोर्ट तैयार की जाती है. एचएसबीसी द्वारा सोमवार को जारी बताया गया है कि मांग में तेजी, विपणन की पहल और क्लाइंटों की बढ़ती जरूरतों के कारण नये कारोबार में फरवरी में तेजी देखी गयी. वृद्धि की रफ्तार पिछले साल अक्टूबर के बाद के उच्चतम स्तर पर रही.

> भारत में एचएसबीसी के मुख्य अर्थशास्त्री प्रांजुल भंडारी ने कहा कि मजबूत घरेलू मांग के कारण उत्पादन में लगातार दूसरे महीने तेज गति से वृद्धि हुई है. हालांकि नये निर्यात ऑर्डरों में पिछले साल के मध्य में शुरू हुई सुस्ती फरवरी में भी जारी रही. इससे विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार सृजन कुछ हद तक बाधित रही. ऑर्डर में कुल मिलाकर अच्छी वृद्धि के कारण कंपनियों ने कच्चे माल की अतिरिक्त खरीद की और इसमें तीन महीने की सबसे बड़ी तेजी रही.

एयर इंडिया एक्सप्रेस की बदलेगी कमान

नई दिल्ली, 02 मार्च. एयर इंडिया समूह की विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया एक्सप्रेस के प्रबंध निदेशक आलोक सिंह पांच साल तक पद पर रहने के बाद 19 मार्च को सेवा मुक्त होंगे. श्री सिंह ने कर्मचारियों को संबोधित एक नोट में बताया कि 19 मार्च को उनका कार्यकाल समाप्त हो रहा है. उन्होंने कहा कि इस दौरान कंपनी विलय के दौर से गुजरी, एक नया ब्रांड बना और बेड़े का आकार चार गुना हुआ. एयरलाइन देश की तीसरी सबसे बड़ी नौरो बॉडी ऑपरेटर बनने में सफल रही. इस समय उसके बेड़े में 100 से अधिक विमान और देश के बाहर भी 14 देशों में उसका नेटवर्क है. श्री सिंह ने कर्मचारियों के सहयोग के लिए उनका धन्यवाद करते हुए बताया कि कैप्टेन हैमिश मैक्सवेल नये अकाउंटेबल मैनेजर होंगे.

ईपीएफ पर ब्याज दर 8.25 प्रतिशत रहने का अनुमान

नयी दिल्ली, 02 मार्च (वार्ता) निजी क्षेत्र के कर्मचारियों के भविष्य निधि योजना कोष का प्रबंधन करने वाले श्रम मंत्रालय के कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने कर्मचारी भविष्य निधि खातों में जमा राशि पर चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए ब्याज दर को 8.25 प्रतिशत पर बनाये रखने की सिफारिश की है. वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भी ईपीएफ पर ब्याज इतना ही रखा गया था. ब्याज दर की इस सिफारिश को वित्त मंत्रालय की औपचारिक स्वीकृति के बाद लागू किया जाएगा.श्रम मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में ईपीएफओ के केंद्रीय न्यासी मंडल की सोमवार को हुई 239वीं बैठक में यह निर्णय लिया गया. बैठक में 1,000 रुपये या उससे कम की जमा राशियों वाले निष्क्रिय ईपीएफ खातों में दावा निपटान की स्वत- संचालित व्यवस्था के लिए एक पायलट परियोजना शुरू करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी.

चावल, चीनी, दालों के दाम बढ़े, खाद्य तेलों में घट-बढ़

नई दिल्ली, 02 मार्च. घरेलू थोक जिंस बाजारों में शुक्रवार को चावल के औसत भाव बढ़ गये. चावल के साथ चीनी और दालों में भी तेजी रही. गेहूं की कीमतों में टिकाव देखा गया, जबकि खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख रहा. औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 139 रुपये बढ़कर 3,867 रुपये प्रति क्विंटल रह गयी. गेहूं का भाव 2,834 रुपये प्रति क्विंटल पर लगभग स्थिर रहा. आटा छह रुपये सस्ता हुआ. दाल-दलहनों में तेजी देखी गयी. मसूर दाल की औसत कीमत 197 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी.

पश्चिम एशिया संकट से शेयर बाजारों में गिरावट

मुंबई, 02 मार्च. पश्चिम एशिया में बीते शनिवार को शुरू हुए संकट के कारण घरेलू शेयर बाजारों में सोमवार को चौतरफा बिकवाली देखी गयी और बीएससी का सेंसेक्स 2,700 अंक से अधिक की गिरावट में खुला. अंतर बैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया भी फिलहाल 15 पैसे की गिरावट में 91.23 रुपये प्रति डॉलर पर है.

अमेरिका और इजराइल के एक संयुक्त सैन्य अभियान में ईरान पर हमले के बाद पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक हालत बिगड़ गये हैं. ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए अमेरिकी सैन्य ठिकानों वाले कई देशों पर हमले किये हैं. इसका असर सोमवार को बाजार खुलते ही देखा गया. वैश्विक स्तर पर जापान का निक्केई और हांगकांग का हैंगसेंग एक प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट में है. हालांकि चीन का शंघाई कंपोजिट लगभग स्थिर है. घरेलू बाजारों में सेंसेक्स 2,743.46 अंक टूटकर 78,543.73 अंक पर खुला. हालांकि बाद में इसकी गिरावट कुछ कम हुई और खबर लिखे जाते समय यह 926.18 अंक यानी 1.14 प्रतिशत नीचे 80,361.01 अंक पर था. पिछले कारोबारी दिवस पर सेंसेक्स 81,287.19 अंक पर बंद हुआ था. इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 50 सूचकांक 519.40 अंक गिरकर 24,659.25 अंक पर खुला. खबर लिखे जाते समय यह भी 300.90 अंक यानी 1.20 प्रतिशत नीचे 24,877.75 अंक पर रहा.

सुजलॉन एनर्जी का शेयर 40 से नीचे फिसला

मुंबई, 02 मार्च. भारतीय शेयर बाजार में पवन ऊर्जा क्षेत्र की दिग्गज कंपनी शेयरों में गिरावट का सिलसिला लगातार जारी है. सोमवार, 2 मार्च को स्टॉक में 8.3त्न की बड़ी गिरावट देखने को मिली और यह करीब ?40 के नीचे फिसल गया.

दिन के कारोबार में शेयर ?39.13 तक पहुंच गया, जो मई 2024 के बाद का सबसे निचला स्तर है. विशेषज्ञों का मानना है कि जून 2025 से शुरू हुई गिरावट अब लंबी करेक्शन में बदल चुकी है. सितंबर 2024 में ?86 के शिखर से शेयर लगभग 50त्न से अधिक टूट चुका है. बीते नौ महीनों में आठ महीने लाल निशान में बंद हुए हैं, जबकि कैलेंडर ईयर 2025 में यह पहली बार पांच साल में सालाना गिरावट दर्ज कर रहा है. ब्रोकरेज हाउस का कहना है कि कंपनी के डिलीवरी और कमीशनिंग के बीच बढ़ते गैप, भूमि अधिग्रहण, पीपीए, ग्रिड कनेक्टिविटी जैसी चुनौतियां मुख्य कारण हैं.

समाचार विशेष

चंद्रशेखर राव की तरह ममता का दांव

कोलकता. तेलंगाना के तत्कालीन मुख्यमंत्री चंद्रशेखर राव ने 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले जो दांव चला था उसी से मिलता जुलता दांव ममता बनर्जी भी चल रही हैं. चंद्रशेखर राव दो बार जीते और तीसरी बार चुनाव में जाने से पहले उन्होंने अपनी अखिल भारतीय नेता की छवि का प्रचार शुरू किया. वे विशेष विमान लेकर देश भर के विपक्षी नेताओं से मिलने गए.

उन्होंने भाजपा के खिलाफ एक राष्ट्रीय गठबंधन बनाने का प्रयास किया. चंद्रशेखर राव ने महाराष्ट्र का धुआंधार दौरा किया और वहां पार्टी संगठन खड़ा करने का प्रयास किया और अंत में उन्होंने अपनी पार्टी तेलंगाना राष्ट्र समिति का नाम बदल कर भारत राष्ट्र समिति कर लिया. लेकिन इस पूरी कवायद के अंत यह हुआ कि उनकी पार्टी चुनाव हार कर सत्ता से बाहर हो गई. कांग्रेस ने बड़ी जीत दर्ज की और रेवंत रेड्डी मुख्यमंत्री बने.

अब इसी तरह का कुछ काम पश्चिम बंगाल में होता दिख रहा है. हालांकि चंद्रशेखर राव की तरह ममता बनर्जी ज्यादा भागदौड़ नहीं कर रही हैं. लेकिन उनकी पार्टी के नेता परदे के पीछे से इस बात के प्रयास कर रहे हैं कि ममता बनर्जी को ही भाजपा से लड़ने वाले अखिल भारतीय नेता के तौर पर प्रोजेक्ट किया जाए. पिछले दिनों समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कोलकाता में ममता बनर्जी से मुलाकात की और ममता की मौजूदगी में मीडिया से कहा कि भाजपा से सिर्फ ममता बनर्जी ही लड़ सकती हैं. बाद में कांग्रेस के नेता मणिशंकर अय्यर ने कहा कि ममता बनर्जी को 'इंडिया' ब्लॉक का नेतृत्व सौंप देना चाहिए.

> उन्होंने कहा कि अगर ममता नहीं रहेंगी तो विपक्षी गठबंधन में कुछ नहीं बचेगा. माना जा रहा है कि कांग्रेस की बजाय ममता के भाजपा से लड़ने की नैरेटिव इसलिए बनाया जा रहा है ताकि राज्य के करीब 30 फीसदी मुस्लिम वोट का पूरी तरह से ममता के साथ रहना सुनिश्चित किया जाए. दूसरा कारण वही है, जो केसीआर का था. बंगालियों में यह गर्व पैदा करना की ममता बनर्जी राष्ट्रीय नेता हो सकती हैं और पहली बंगाली प्रधानमंत्री भी हो सकती हैं. वे बांग्ला गर्व वाले मुद्दे भी उठा रही हैं. जैसे उन्होंने केरल का नाम केरलम किए जाने की मिसाल दी और कहा कि पश्चिम बंगाल का नाम बंगाल या बांग्ला नहीं किया जा रहा है.

पंजाब की राजनीति पर भी असर डालने वाला होगा भाजपा उम्मीदवार

राज्यसभा के लिए बिट्टू समेत कई नेताओं के नामों पर मंथन

चंडीगढ़. हरियाणा से राज्यसभा की एक सीट के लिए भाजपा के दावेदारों में जबरदस्त लाबीइंग चल रही है. भाजपा की कोर कमेटी में शामिल आधे नेता चाहते हैं कि हाईकमान उन्हें टिकट देकर राज्यसभा भेज दे.

भाजपा की रणनीति यह है कि किसी ऐसे उम्मीदवार को चुनावी रण में उतारा जाए, जिसके राज्यसभा जाने से हरियाणा के साथ-साथ पंजाब में भी उसका राजनीतिक संदेश जाए. इसके लिए भाजपा को जहां किसी बड़े सिख चेहरे की तलाश है, वहीं पार्टी काडर से जुड़े किसी साधारण कार्यकर्ता को भी राज्यसभा भेजा जा सकता है. पिछला राज्यसभा चुनाव इसका बड़ा उदाहरण है.

उस समय कई प्रमुख नेताओं के नाम चले, लेकिन पंचकूला की रहने वाली भाजपा कार्यकर्ता रेखा शर्मा का नाम अचानक घोषित कर उन्हें राज्यसभा भेज दिया गया था.

हरियाणा में किरण चौधरी व रामचंद्र जांगड़ा का कार्यकाल पूरा होने की वजह से राज्यसभा की दो सीटें खाली हो रही हैं. 90 सदस्यीय विधानसभा में विधायकों के संख्या बल के हिसाब से एक सीट भाजपा व एक सीट कांग्रेस के खाते में जाएगी. कांग्रेस के हिस्से की सीट पर भाजपा अपना दूसरा उम्मीदवार लड़ाने की सोच रही है, लेकिन इसके लिए केंद्रीय नेतृत्व से अनुमति आनी बाकी है. पहली सीट से राज्यसभा जाने के लिए भाजपा के कई बड़े चेहरे प्रयास कर रहे हैं. पंजाब के प्रमुख नेता एवं केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू का राज्यसभा का कार्यकाल मार्च में पूरा हो रहा है.

> **केंद्रीय नेतृत्व के संपर्क में हरियाणा के भाजपा नेता**
>
> हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, भाजपा प्रभारी डा. सतीश पुनिया, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडौली, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल के बीच राज्यसभा चुनाव की प्राथमिक रणनीति पर चर्चा हो चुकी है. केंद्रीय नेतृत्व का इशारा पाने के लिए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी दिल्ली के संपर्क में हैं. भाजपा यदि कांग्रेस के हिस्से की सीट पर चुनाव लड़ने की योजना पर आगे बढ़ती है तो उसे इनेलो के दो और कांग्रेस के आठ विधायकों को तोड़ना होगा.

शशिकला ने लॉन्च किया पार्टी का झंडा, नाम पर सस्पेंस बरकरार

चेन्नई. निष्कासित एआइएडीएमके नेता वीके शशिकला ने कहा कि उनकी प्रस्तावित राजनीतिक पार्टी के नाम की औपचारिक घोषणा एक सप्ताह के भीतर कर दी जाएगी. उन्होंने दावा किया कि उनकी पार्टी 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में निर्णायक भूमिका निभाएगी.

यह बयान ऐसे समय आया है जब शशिकला ने एक जनसभा में दिवंगत मुख्यमंत्री जे जयललिता की 78वीं जयंती पर नई पार्टी का झंडा जारी कर नौ वर्षों के राजनीतिक विराम को औपचारिक रूप से समाप्त किया था. शशिकला ने कहा कि गठबंधन को लेकर बातचीत चल रही है और अच्छा फैसला लिया जाएगा. सीमित समय में संगठन खड़ा करने के सवाल पर उन्होंने कहा कि तमिलनाडु की जनता उन्हें अच्छी तरह जानती है और जनसंपर्क में कोई कठिनाई नहीं होगी. शशिकला ने गुरुवार को चेन्नई एयरपोर्ट पर मीडिया से बात करते हुए स्पष्ट किया कि उनकी पार्टी का नाम एक सप्ताह के भीतर घोषित कर दिया जाएगा.

विशेष कांग्रेस और वाम दलों का टूटा गठबंधन; नए सियासी समीकरण

बंगाल में सोलो गेम या सीक्रेट डील?

नई दिल्ली. पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले इस महीने की शुरुआत में कांग्रेस और वामपंथी दलों का गठबंधन टूट गया है. इससे बंगाल की राजनीति में नए सियासी समीकरण बन रहे हैं.

वर्तमान में पश्चिम बंगाल में मुख्य मुकाबला ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस और बीजेपी के बीच माना जा रहा है. लेकिन इन सबके बीच सबसे अहम सवाल ये है कि कांग्रेस को अकेले चुनाव लड़ने के लिए किसने प्रेरित किया और इस विभाजन का पार्टी और उसके अब पूर्व सहयोगी दोनों के लिए क्या अर्थ है?

पश्चिम बंगाल में कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने बताया, केंद्रीय नेतृत्व का मानना है कि पार्टी के पास खोने के लिए ज्यादा कुछ नहीं है, इसलिए स्वतंत्र रूप से मैदान में उतरना बेहतर रणनीति है. गठबंधन टूटने के बाद अब कांग्रेस अपनी वोट हिस्सेदारी मजबूत करने पर ध्यान देगी, न कि सीट बंटवारे की गणित पर. साथ ही उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि अब चुनाव में टीएमसी और बीजेपी का दबदबा रहेगा. उन्होंने कहा, वामपंथियों के साथ हमारा गठबंधन टूटने से बंगाल की राजनीति में त्रिकोणीय समीकरण की कोई गुंजाइश नहीं है. केंद्रीय नेतृत्व को लगता है कि पार्टी के पास खोने के लिए कुछ नहीं बचा है, इसलिए हमें यह लड़ाई खुद ही लड़नी चाहिए.

राजनीतिक विश्लेषक पार्टी के मौजूदा राज्य नेतृत्व और उसके पूर्व नेतृत्व के बीच अंतर की ओर भी इशारा करते हैं. उनका कहना है कि मौजूदा पार्टी राज्य प्रमुख सुभंकर सरकार के अपेक्षाकृत सुलह भरे रवैये ने केंद्रीय नेतृत्व के लिए वामपंथी गठबंधन को समाप्त करना आसान बना दिया. पूर्व प्रमुख, पूर्व लोकसभा सांसद अधीर रंजन चौधरी, ममता बनर्जी के जाने-माने आलोचक थे और उन्होंने एक साझा प्रतिद्वंद्वी को सत्ता से हटाने के प्रयास में वामपंथियों से मतभेदों को दरकिनार कर दिया था.

> **वामपंथी दलों पर क्या असर पड़ेगा?**
>
> राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस और लेफ्ट के अलग होने से विपक्षी वोट बंट सकते हैं, जिसका फायदा टीएमसी को मिल सकता है. हालांकि जमीनी स्तर पर किसी तरह की अनौपचारिक समझ की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा रहा. दोनों दलों से बंटे हुए इन वोटों का सीधा फायदा टीएमसी को होगा. दिलचस्प बात यह है कि केरल में कांग्रेस और लेफ्ट सीधे प्रतिद्वंद्वी हैं और वहां भी चुनाव करीब हैं. ऐसे में बंगाल में अलग लड़ना दोनों दलों को केरल में असहज सवालों से बचा सकता है. गठबंधन के टूटने में केरल फैक्टर इसलिए भी अहम है, क्योंकि 2021 में वामपंथी दल ने केरल में लगातार दूसरी बार सत्ता हासिल की, जिससे हर पांच साल में वामपंथी और कांग्रेस के बीच सत्ता के बारी-बारी से बदलने का पुराना सिलसिला टूट गया था.